

## 12: सहायक कार्यक्रम







## सहायक कार्यक्रम

### 12.1 सूचना और जनजागरुकता कार्यक्रम

- 12.1.1 भारत वैश्विक अक्षय ऊर्जा रूपांतरण का एक भाग है और अक्षय ऊर्जा क्षमता की दृष्टि से विश्व के अग्रणी 5 देशों में शामिल है। इस मंत्रालय ने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहक नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने के लिए क्रमबद्ध रूप से कार्य किया है। सौर एवं पवन विद्युत के विक्रय के लिए इंटर-स्टेट पारेषण शुल्कों को समाप्त करना; अक्षय ऊर्जा खरीद बाध्यता ट्रेजेक्ट्री; सौर एवं पवन विद्युत की खरीद के लिए प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया संबंधी दिशानिर्देश; विद्युत उत्पादन और ताप विद्युत केन्द्रों की शिड्यूलिंग में नमनीयता; सौर कुकर कार्यक्रम; सौर-पवन हाइब्रिड नीति; सुनिश्चित टेक-ऑफ से जुड़ा सौर पीवी विनिर्माण; अटल ज्योति योजना, सौर पीवी प्रणालियों की संस्थापना के लिए मानक कुछ प्रमुख पहलें हैं। आम लोगों को इन सभी पहलों का लाभ और अक्षय ऊर्जा का उपयोग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सूचना प्रसार और प्रचार आवश्यक है। इस पृष्ठभूमि में अक्षय ऊर्जा के लिए सूचना और जनजागरुकता कार्यक्रमों की संकल्पना तैयार की गई है और इन्हें कार्यान्वयन हेतु विकसित किया गया है।
- 12.1.2 यह कार्यक्रम मौजूदा सरकारी माध्यमों नामतः (i) विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय (डीएवीपी) (ii) राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) (iii) दूरदर्शन (iv) आकाशवाणी (एआईआर) (v) गायन और नाट्य प्रभाग (vi) अक्षय ऊर्जा के लिए राज्य नोडल विभाग/एजेंसियों और (vii) गैर सरकारी संगठनों/शैक्षिक संस्थान आदि उपयोग तथा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय महत्व की प्रदर्शनियों में भाग लेकर और अन्य संबंधित संस्थानों/संगठनों के माध्यम से भी कार्यान्वित किया जाता है। यह कार्यक्रम अपने तीन संस्थानों अर्थात् नाइस, नीवे और एसएसएस-नीवे तथा दो सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों अर्थात् इरेडा और सेकी के माध्यम से भी सूचना और जागरुकता का प्रसार कर रहा है।
- 12.1.3 वर्ष के दौरान अक्षय ऊर्जा के लिए मीडिया तंत्र के समग्र ढांचे के अंतर्गत निम्नलिखित सूचना एवं जनजागरुकता कार्यक्रमों का विकास और कार्यान्वयन किया गया:-
- अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में उपलब्धियों का व्यापक प्रचार करने के लिए प्रेस-क्रांफ्रेंस आयोजित किए गए।
  - इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में 2-5 अक्टूबर, 2018 तक आयोजित द्वितीय विश्वस्तरीय आरई-इनवेस्ट 2018 के लिए इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और आउटडोर मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार अभियान चलाया गया।
  - आरई-इनवेस्ट 2018 सहित अन्य कार्यक्रमों के लिए हिन्दी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में विभिन्न समाचार पत्रों में एक-चौथाई पृष्ठ, आधे पृष्ठ और पूरे पृष्ठ के रंगीन विज्ञापनों के माध्यमों से प्रचार अभियान चलाया गया।
  - बीओसी के माध्यम से अक्षय ऊर्जा पर 4 रोडियो स्पॉट का निर्माण किया गया और विभिन्न रेडियो स्टेशनों पर उनका प्रसारण किया गया; दो वीडियो फिल्मों का निर्माण किया गया।
  - मंत्रालय के द्विमासिक न्यूज लेटर "अक्षय ऊर्जा" का अंग्रेजी और हिन्दी में प्रकाशन जारी रहा।
  - अक्षय ऊर्जा पर विभिन्न कार्यक्रमों/प्रदर्शनियों के लिए विभिन्न संगठनों को लोगो सहायता प्रदान की गई।
  - मंत्रालय की विवरणिका "हमारी पृथ्वी हमारा सरोकार" तैयार की गई और उसका मुद्रण किया गया।
  - सभी अक्षय ऊर्जा कार्यक्रमों की जानकारी मंत्रालय की वेबसाइट पर नियमित अपडेट्स के साथ पोस्ट की जाती है।
  - मंत्रालय के तीन संस्थानों और दो सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के माध्यम से सोशल मीडिया पर कार्यक्रमों, योजनाओं और उपलब्धियों को नियमित रूप से पोस्ट किया जाता है।
  - विश्व पर्यावरण दिवस प्रगतिशील गुजरात, 15वें प्रवासी भारतीय दिवस आदि जैसी प्रदर्शनियों में मंत्रालय के आयोजन में भागीदारी की गई।



## 12.2 योजना और समन्वय

- 12.2.1 योजना और समन्वय प्रभाग मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों, किए जा रहे विभिन्न नीतिगत एवं राजकोषीय सुधारों आदि से संबंधित मामलों के लिए समग्र आयोजना और समन्वयन हेतु उत्तरदायी है। इसका कार्य मंत्रालय के विभिन्न कार्यक्रम प्रभागों और अन्य संबंधित मंत्रालयों/विभागों जैसे- प्रधानमंत्री कार्यालय/नीति आयोग/विदेश मंत्रालय/मंत्रिमंडल सचिवालय, पीआईबी आदि तथा राज्य सरकार की एजेंसियों जैसे राज्य नोडल एजेंसियों आदि के साथ नियमित आधार पर निकट संपर्क बनाए रखना है।
- 12.2.2 प्रभाग द्वारा वर्ष 2018-19 के दौरान संचालित किए गए कार्यक्रमों में मुख्य रूप से ग्रिड एवं ऑफ ग्रिड अक्षय विद्युत के क्षेत्र में प्राप्त की गई उपलब्धियों के लिए डेटाबेस का संकलन और नियमित रूप से अद्यतनीकरण, मंत्रालय की अनुदान मांगों से संबंधित ऊर्जा संबंधी स्थायी समिति के लिए रिपोर्टें तैयार करना और जांच हेतु चयनित अन्य विशिष्ट विषय, प्रमुख उपलब्धियों/पहलों की मासिक रिपोर्ट, की गई कार्रवाई संबंधी टिप्पणियाँ और प्रधानमंत्री कार्यालय/मंत्रिमंडल सचिवालय/पीआईबी आदि के लिए मासिक अर्ध-शासकीय पत्र, विभिन्न बैठकों के लिए बहुक्षेत्रीय इनपुट/सार संक्षेप, महामहिम राष्ट्रपति/माननीय प्रधानमंत्री/माननीय वित्त मंत्री/माननीय मंत्री/सचिव के भाषणों के लिए इनपुट, वीआईपी, अन्य संदर्भों/प्रश्नावलियों/संसद प्रश्नों के उत्तर तैयार करना, विभिन्न पोर्टलों जैसे- पीएमजी, ई-समीक्षा, प्रगति आदि को अद्यतन बनाना, अन्य मंत्रालयों/विभागों से प्राप्त विभिन्न प्रारूप मंत्रिमंडल टिप्पणियों, ईएफसी/एफएससी आदि पर टिप्पणियों का समयबद्ध संकलन करना, बजट के लिए आउटपुट-आउटकम फ्रेमवर्क तैयार करना आदि शामिल हैं।

## 12.3 मानव संसाधन विकास

- 12.3.1 एमएनआरई की मानव संसाधन विकास योजना में छात्रों/अध्येताओं को अध्येतावृत्तियाँ उपलब्ध कराकर अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास/शैक्षिक संस्थानों में उच्चतर अध्ययन/अनुसंधान पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने सहित सभी स्तरों पर मानवशक्ति के लिए प्रशिक्षण को सहायता प्रदान की जाती है। अनुसंधान एवं विकास/शैक्षिक संस्थानों को नवीन और अक्षय ऊर्जा में उच्चतर डिग्री पाठ्यक्रमों जैसे- एमएससी, एम-टेक और पीएचडी संचालित करने के लिए अपने पुस्तकालयों और प्रयोगशालाओं के स्तरोन्नयन के लिए भी सहायता प्रदान की जाती है। मानव संसाधन विकास कार्यक्रम के अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत वर्ष 2015 में सौर परियोजनाओं की संस्थापना, कमीशनिंग, प्रचालन और अनुरक्षण के लिए प्रशिक्षित मानवशक्ति का सृजन करने हेतु 50,000 दक्ष मानवशक्ति को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सूर्यमित्र नामक एक कौशल विकास कार्यक्रम की शुरुआत की गई।
- 12.3.2 मानव संसाधन विकास योजना के विभिन्न घटक इस प्रकार हैं:
- सभी स्तरों पर कौशल विकास पर बल देते हुए अक्षय ऊर्जा के विभिन्न पहलुओं पर अल्पकालिक प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए शैक्षिक और अन्य संगठनों को सहायता।
  - फैलोशिप
    - एमएससी/एमटेक/एमई/पीएचडी/पीडीएफ डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा फैलोशिप (एनआरईएफ) योजना।
    - सौर ऊर्जा में अभिनव विचार के साथ अनुसंधान संस्थानों में काम करने वाले प्रख्यात वैज्ञानिकों के लिए राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा विज्ञान फैलोशिप योजना।
  - प्रयोगशाला उन्नयन के लिए उच्चतर शिक्षा संस्थानों को सहायता।
  - सूर्यमित्र कौशल विकास कार्यक्रम।
  - विशेषज्ञों/विशेषज्ञ संस्थानों के माध्यम से पाठ्यक्रम/अध्ययन सामग्री का विकास।





### 12.3.3 राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा फ़ैलोशिप योजना

राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा फ़ैलोशिप योजना के अंतर्गत मंत्रालय द्वारा फ़ैलोशिप/वृत्तिका प्रदान करके 17 चयनित शैक्षिक संस्थानों में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में उच्चतर अध्ययन जैसे- एमएससी, एमटेक, पीएचडी, पीडीएफ पाठ्यक्रमों का अनुशीलन करने के लिए छात्रों/विद्वानों को सहायता प्रदान करना जारी रखा गया। वर्ष 2018-19 के प्रारंभ में एनआरईएफ कार्यक्रम के अंतर्गत 28 पीएचडी, 43 एम-टेक/एमई और 30 एमएससी फ़ैलोशिप प्रदान किए जा रहे थे जिनमें से वर्ष 2018-19 में 16 अध्येताओं ने पीएचडी पूरा किया, 14 छात्रों ने एम-टेक/एमई की उपाधि प्राप्त की और 10 छात्रों ने एमएससी (अक्षय ऊर्जा) की डिग्री प्राप्त की। वर्ष 2019-20 के दौरान, एम-टेक के लिए 30, जेआरएफ/एसआरएफ के लिए 33 और एमएससी के लिए 20 अध्येता एनआरईएफ कार्यक्रम के तहत पढ़ाई कर रहे हैं। एनआरईएफ अध्येताओं/छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में 18 शोध आलेख प्रकाशित किए जिसके अतिरिक्त संगोष्ठियों में 10 लेख प्रस्तुत किए गए जिसे मिलाकार एनआरईएफ अध्येताओं के वैज्ञानिक आउटपुट में 558 शोध आलेख तथा संगोष्ठियों में 166 आलेख और तीन पेटेंट दर्ज किए गए। सहायता प्रदत्त संस्थानों की सूची तालिका-12.1 में दी गई है।

तालिका-12.1 : एमएनआरई द्वारा एनआरईएफ योजना के अंतर्गत जिन संस्थानों को अध्येतावृत्तियाँ प्रदान की गईं	
क्र. सं.	जिन संस्थानों को एमएससी, एम-टेक, जेआरएफ/एसआरएफ (पीएचडी) के लिए फ़ैलोशिप प्रदान किए गए
1	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
2	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की
3	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बंबई
4	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर
5	मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर
6	अन्ना विश्वविद्यालय, तमिलनाडु
7	पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र
8	पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पांडिचेरी
9	तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, तमिलनाडु
10	श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा, जम्मू और कश्मीर
11	जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता
12	कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोचीन
13	भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, शिवपुर, पश्चिमबंगाल
14	गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), तमिलनाडु
15	लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
16	राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एनपीएल), सीएसआईआर, नई दिल्ली
17	झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय, रांची

### 12.3.4 पुस्तकालय और प्रयोगशालाओं का उन्नयन

मंत्रालय द्वारा पिछले वर्ष में पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय गांधीनगर और तेजपुर विश्वविद्यालय, असम में सहायता प्रदत्त प्रयोगशाला और पुस्तकालय सुविधाओं के उन्नयन संबंधी कार्यक्रमलाप जारी हैं। वर्ष 2019-20 में प्रयोगशाला उन्नयन के लिए गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान को सहायता प्रदान की गई।

### 12.3.5 प्रशिक्षण

मंत्रालय ने विभिन्न अक्षय ऊर्जा क्षेत्रों में विभिन्न स्तरों और लक्ष्य समूहों के साथ अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने के लिए संस्थानों को अपनी सहायता जारी रखी है। वर्तमान वर्ष में मंत्रालय द्वारा सौर पीवी, सौर विद्युतीकरण, सौर रूफटॉप ग्रिड इंजीनियरी पाठ्यक्रम, सौर जल पंपिंग, लघु पन बिजली के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने के लिए 5 संस्थानों को सहायता प्रदान की गई जिसे तालिका-12.2 में दर्शाया गया है।





तालिका-12.2 : मंत्रालय द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन हेतु सहायता प्रदत्त संस्थान				
क्र. सं.	संस्थान जिन्हें अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आवंटित किए गए	क्षेत्र	प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	प्रशिक्षित प्रतिभागियों की संख्या
1	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की	लघु पन बिजली	6	86
2	सीएसआईआर-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली	सौर पीवी	2	55
3	बेयरफुट कॉलेज (सामाजिक कार्य और अनुसंधान केन्द्र), तिलोनिया	सौर विद्युतीकरण (सौर मामा)	2	40
4	राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान, गुरुग्राम	सौर जल पंपिंग (वरुण मित्र)	20	425
5	राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान, गुरुग्राम	सौर रूफटॉप ग्रिड अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम	30	923



ग्रामीण इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए सौर पैनलों की स्थापना बेयरफुट कॉलेज तिलोनिया में ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला







### 12.3.6 सूर्यमित्र प्रशिक्षण

मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 तक 50,000 सूर्यमित्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने और वर्ष 2018-19 में 19,000 सूर्यमित्र उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित करने हेतु वर्ष 2015 में सूर्यमित्र कौशल विकास कार्यक्रम आरंभ किया गया। 31 मार्च, 2019 तक कुल 31,092 सूर्यमित्रों को प्रशिक्षण दिया गया है। वर्तमान वर्ष के लिए मार्च, 2018 में राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान द्वारा जारी रुचि की अभिव्यक्ति के माध्यम से पैनलबद्ध किए गए देश के विभिन्न राज्यों के 190 प्रशिक्षण केन्द्रों/संगठनों के माध्यम से सूर्यमित्र प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। वर्तमान वर्ष 2019-20 के दौरान पहली तिमाही में देश भर के 190 प्रशिक्षण केन्द्रों में 190 बैचों में 5700 सूर्यमित्र प्रशिक्षण आवंटित किया गया है जबकि वर्ष 2019-20 के लिए लक्ष्य 19,000 का है। सूर्यमित्र कार्यक्रम की राज्य-वार प्रगति तालिका-12.3 में दर्शायी गई है। वरुणमित्र और सौर रूफटॉप ग्रिड अभियांत्रिकी कार्यक्रम की राज्य-वार प्रगति तालिका 12.4 एवं तालिका 12.5 में दर्शायी गई है।

### 12.3.7 द्वितीय आरई-इनवेस्ट 2018 में एचआरडी (मानव संसाधन विकास) पेवेलियन

अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के मानव संसाधन विकास संबंधी कार्यकलापों को प्रदर्शित करने के लिए हॉल सं. 7, स्टॉल सं. 8, इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में विशेष रूप से एक एचआरडी पेवेलियन लगाया गया था। शैक्षिक विश्वविद्यालयों/संस्थानों, अनुसंधान संगठनों, कौशल विकास एजेंसियों को अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के सभी क्षेत्रों से संबंधित अपने शैक्षिक और कौशल विकास पाठ्यक्रमों और मॉड्यूलों, नवोन्मेषों आदि को प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। 17 संस्थानों जिनमें 8 विश्वविद्यालय, 2 आईआईटी, 1 सीएसआईआर प्रयोगशाला, 3 संस्थानों और 3 कौशल विकास संस्थान शामिल हैं, ने भाग लिया और अपने शैक्षिक, अनुसंधान और कौशल विकास कार्यकलापों का प्रदर्शन किया। लगभग 120 सूर्यमित्रों, विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों के छात्रों ने एचआरडी पेवेलियन और प्रदर्शनी का दौरा किया। एचआरडी पेवेलियन की संकल्पना को व्यापक प्रतिक्रिया मिली। मंत्रालय ने छात्रों/सूर्यमित्रों के लिए क्विज कार्यक्रम आयोजित किया और क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।



श्री आनन्द कुमार सचिव, एमएनआरई द्वितीय आरई-इनवेस्ट 2018 के दौरान इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में एचआरडी पेवेलियन का अवलोकन करते हुए



द्वितीय आरई-इनवेस्ट 2018 के दौरान इंडिया एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में एचआरडी पेवेलियन में सूर्यमित्र

## 12.4 प्रशासन ई-गवर्नेंस, सतर्कता पुस्तकालय, सूचना का अधिकार

### 12.4.1 ई-गवर्नेंस

12.4.1.1 राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (एनआईसी) भारत सरकार का एक अग्रणी विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान है जो सरकारी क्षेत्र में ई-शासन/ई-शासन संबंधी साधन उपलब्ध कराने, श्रेष्ठ प्रक्रियाओं को अपनाने, समेकित सेवाएं और वैश्विक समाधान उपलब्ध कराने के लिए सरकार के "इन्फोर्मेटिक्स लेड डेवलपमेंट" में एक सक्रिय अभिप्रेरक और सुविधाता के रूप में कार्य करता है।

#### 12.4.1.2 सौर प्रकाशवोल्टीय संस्थापना - रूफटॉप (स्पिन)

(i) भारत सरकार ने वर्ष 2022 तक सौर रूफटॉप क्षेत्र से 40,000 मेगावाट का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह प्रधानमंत्री



### 12.3.6 सूर्यमित्र प्रशिक्षण

मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 तक 50,000 सूर्यमित्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने और वर्ष 2018-19 में 19,000 सूर्यमित्र उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित करने हेतु वर्ष 2015 में सूर्यमित्र कौशल विकास कार्यक्रम आरंभ किया गया। 31 मार्च, 2019 तक कुल 31,092 सूर्यमित्रों को प्रशिक्षण दिया गया है। वर्तमान वर्ष के लिए मार्च, 2018 में राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान द्वारा जारी रुचि की अभिव्यक्ति के माध्यम से पैनलबद्ध किए गए देश के विभिन्न राज्यों के 190 प्रशिक्षण केन्द्रों/संगठनों के माध्यम से सूर्यमित्र प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। वर्तमान वर्ष 2019-20 के दौरान पहली तिमाही में देश भर के 190 प्रशिक्षण केन्द्रों में 190 बैचों में 5700 सूर्यमित्र प्रशिक्षण आवंटित किया गया है जबकि वर्ष 2019-20 के लिए लक्ष्य 19,000 का है। सूर्यमित्र कार्यक्रम की राज्य-वार प्रगति तालिका-12.3 में दर्शायी गई है। वरुणमित्र और सौर रूफटॉप ग्रिड अभियांत्रिकी कार्यक्रम की राज्य-वार प्रगति तालिका 12.4 एवं तालिका 12.5 में दर्शायी गई है।

### 12.3.7 द्वितीय आरई-इनवेस्ट 2018 में एचआरडी (मानव संसाधन विकास) पेवेलियन

अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के मानव संसाधन विकास संबंधी कार्यकलापों को प्रदर्शित करने के लिए हॉल सं. 7, स्टॉल सं. 8, इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में विशेष रूप से एक एचआरडी पेवेलियन लगाया गया था। शैक्षिक विश्वविद्यालयों/संस्थानों, अनुसंधान संगठनों, कौशल विकास एजेंसियों को अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के सभी क्षेत्रों से संबंधित अपने शैक्षिक और कौशल विकास पाठ्यक्रमों और मॉड्यूलों, नवोन्मेषों आदि को प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। 17 संस्थानों जिनमें 8 विश्वविद्यालय, 2 आईआईटी, 1 सीएसआईआर प्रयोगशाला, 3 संस्थानों और 3 कौशल विकास संस्थान शामिल हैं, ने भाग लिया और अपने शैक्षिक, अनुसंधान और कौशल विकास कार्यकलापों का प्रदर्शन किया। लगभग 120 सूर्यमित्रों, विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों के छात्रों ने एचआरडी पेवेलियन और प्रदर्शनी का दौरा किया। एचआरडी पेवेलियन की संकल्पना को व्यापक प्रतिक्रिया मिली। मंत्रालय ने छात्रों/सूर्यमित्रों के लिए विवज कार्यक्रम आयोजित किया और विवज प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।



श्री आनन्द कुमार सचिव, एमएनआरई द्वितीय आरई-इनवेस्ट 2018 के दौरान इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में एचआरडी पेवेलियन का अवलोकन करते हुए

द्वितीय आरई-इनवेस्ट 2018 के दौरान इंडिया एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में एचआरडी पेवेलियन में सूर्यमित्र

## 12.4 प्रशासन ई-गवर्नेंस, सतर्कता पुस्तकालय, सूचना का अधिकार

### 12.4.1 ई-गवर्नेंस

12.4.1.1 राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (एनआईसी) भारत सरकार का एक अग्रणी विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान है जो सरकारी क्षेत्र में ई-शासन/ई-शासन संबंधी साधन उपलब्ध कराने, श्रेष्ठ प्रक्रियाओं को अपनाने, समेकित सेवाएं और वैश्विक समाधान उपलब्ध कराने के लिए सरकार के "इन्फोर्मेटिक्स लेड डेवलपमेंट" में एक सक्रिय अभिप्रेरक और सुविधाता के रूप में कार्य करता है।

#### 12.4.1.2 सौर प्रकाशवोल्टीय संस्थापना – रूफटॉप (स्पिन)

(i) भारत सरकार ने वर्ष 2022 तक सौर रूफटॉप क्षेत्र से 40,000 मेगावाट का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह प्रधानमंत्री



तालिका-12.3 : विभिन्न राज्यों में सूर्यमित्र प्रशिक्षण की प्रगति – 2015-19 एवं 2019-20

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	मार्च, 2020 तक प्रशिक्षित किए जाने हेतु सूर्यमित्रों का लक्ष्य	वर्ष 2015-2019 में प्रशिक्षित सूर्यमित्रों की संख्या	वर्ष 2019-20 में आवंटित सूर्यमित्रों के प्रशिक्षण की संख्या	कुल सूर्यमित्रों की संख्या
1	अंडमान एवं निकोबार	100	0	0	0
2	आंध्र प्रदेश	2000	1308	210	1518
3	अरुणाचल प्रदेश	200	30	0	30
4	असम	2500	833	150	983
5	बिहार	2500	1139	150	1289
6	चंडीगढ़	100	148	30	178
7	छत्तीसगढ़	2000	1227	210	1437
8	दादरा और नगर हवेली	10	0	0	0
9	दमन एवं दीव	10	0	0	0
10	दिल्ली	500	432	120	552
11	गोवा	400	174	30	204
12	गुजरात	2000	2136	270	2406
13	हरियाणा	1000	937	210	1147
14	हिमाचल प्रदेश	500	324	60	384
15	जम्मू और कश्मीर	700	244	180	424
16	झारखंड	2000	517	60	577
17	कर्नाटक	2500	1371	270	1641
18	केरल	2000	495	60	555
19	लक्षद्वीप	100	30	0	30
20	मध्य प्रदेश	4000	2522	660	3182
21	महाराष्ट्र	4000	2933	360	3293
22	मणिपुर	500	150	30	180
23	मेघालय	250	0	0	0
24	मिजोरम	200	0	0	0
25	नागालैंड	200	60	0	60
26	ओडिशा	2500	1766	360	2126
27	पुडुचेरी	50	62	0	62
28	पंजाब	2000	323	0	323
29	राजस्थान	2500	2006	360	2366
30	सिक्किम	200	0	0	0
31	तमिलनाडु	2500	2142	450	2592
32	तेलंगाना	2000	1914	360	2274
33	त्रिपुरा	250	148	30	178
34	उत्तर प्रदेश	5000	2608	450	3058
35	उत्तराखंड	500	680	120	800
36	पश्चिम बंगाल	2500	2433	510	2943
	कुल	50270	31092	5700	36792





तालिका 12.4 : वित्त वर्ष 2018-19 में विभिन्न राज्यों में वरुणमित्रों (सौर जल पंपिंग) प्रशिक्षण की प्रगति

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	2018-19 तक प्रशिक्षित किए जाने हेतु वरुणमित्रों का लक्ष्य	2018-19 में प्रशिक्षित वरुणमित्रों की संख्या	कुल (2018-19)
1	आंध्र प्रदेश	40	40	40
2	असम	40	41	41
3	गुजरात	40	41	41
4	हरियाणा	20	27	27
5	पंजाब	20	20	20
6	महाराष्ट्र	40	40	40
7	बिहार	20	20	20
8	झारखंड	20	20	20
9	राजस्थान	40	40	40
10	तमिलनाडू	40	56	56
11	मध्य प्रदेश	20	20	20
12	छत्तीसगढ़	20	20	20
13	उत्तर प्रदेश	40	40	40
	कुल	400	425	425

तालिका 12.5 : वित्त वर्ष 2018-19 में विभिन्न राज्यों में रूफ टॉप सौर ग्रिड इंजीनियर प्रशिक्षण की प्रगति

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	2018-19 में प्रशिक्षित किए जाने हेतु रूफटॉप सौर ग्रिड इंजीनियर का लक्ष्य	वर्ष 2018-19 में प्रशिक्षित रूफटॉप सौर ग्रिड इंजीनियर की संख्या	कुल (2018-19)
1	राजस्थान	80	94	94
2	तमिलनाडू	80	87	87
3	दिल्ली	80	108	108
4	गुजरात	80	93	93
5	कर्नाटक	80	80	80
6	महाराष्ट्र	80	80	80
7	मध्य प्रदेश	80	80	80
8	पंजाब	80	0	0
9	चंडीगढ़	80	0	0
10	उड़ीसा	80	80	80
11	हरियाणा	80	61	61
12	केरल	80	80	80
13	तेलंगाना	80	0	0
14	आंध्र प्रदेश	80	0	0
15	उत्तर प्रदेश	80	80	80
	कुल	1200	923	923





कार्यालय द्वारा मॉनीटर की जा रही परियोजनाओं में से एक है। संपूर्ण देश में सौर रूफटॉप की संस्थापना की मॉनीटरिंग करने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल अर्थात् स्पिन (<https://solarrooftop.gov.in>) का विकास किया गया है। इस अनुप्रयोग का आम जनता द्वारा रूफटॉप परिकलक के लिए और उसके द्वारा पोर्टल में अभिरुचि संबंधी अनुरोध प्रस्तुत करने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है। राज्य नोडल एजेंसियाँ/सेकी और कार्यान्वयन एजेंसियाँ आगे की संस्थापना के लिए आंकड़ों का उपयोग कर रही हैं। इस वर्ष स्पिन को विभिन्न मॉड्यूलों जैसे – फीड बैक मॉनीटरिंग, स्पिन का डीबीटी भारत पोर्टल और दर्पण (डीएआरपीएएन) पोर्टल से सज्जित किया गया है। स्पिन को राज्य पोर्टलों के साथ भी जोड़ा गया है। मार्च, 2019 के अंत तक 7 राज्यों नामतः असम, चंडीगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, ओडिशा और उत्तर प्रदेश को इसके साथ जोड़ा गया है। इस एकीकरण के साथ हितधारकों को अपने डेटा इनके पोर्टल में दर्ज करना आवश्यक है जो कि स्पिन पोर्टल पर दिखेंगे।

(ii) स्पिन की कुछ विशेषताएं

1. सौर रूफटॉप परिकलक और संस्थापना संबंधी रुचि प्रस्तुत करना
2. एसएनए, पीएसयू के प्रस्तावों, मंजूरीयों, लक्ष्यों का प्रबंधन
3. डीएआरपीएएन और डीबीटी पोर्टल के साथ एकीकरण
4. एनआईसी के ई-मेल और एसएमएस के माध्यम से हितधारकों के साथ संपर्क
5. फीडबैक प्रस्तुत करना और इसकी मॉनीटरिंग
6. रूफटॉप सौर संस्थापनाओं की जिओ-टैगिंग
7. रूफटॉप सौर जागरुकता और नीतियों को अद्यतन करना
8. एसएनए की तरह हितधारकों के राज्य पोर्ट के साथ एकीकरण
9. एमआईएस रिपोर्टों को शीघ्रतापूर्वक सृजन करने में सक्षम।

12.4.1.3 मंत्रालय की वेबसाइट (<http://mnre.gov.in>)

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) की वेबसाइट को नवीनतम आईसीटी उपकरणों का उपयोग करके आंतरिक रूप से अभिकल्पित किया गया। इस वर्ष वेबसाइट शेयर्ड होस्टिंग से क्लाउड प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया गया है। इस साइट का अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में नियमित रूप से अद्यतनीकरण किया जा रहा है।

12.4.1.4 ई-ऑफिस

- (i) यह एक वेब आधारित प्रणाली है जो मंत्रालय में फाइलों और आवतियों के संचलन की कारगर रूप से ऑनलाइन मॉनीटरिंग के लिए कार्यान्वित और अनुरक्षित की गई है। ई-ऑफिस उत्पाद का उद्देश्य और अधिक कारगर तथा पारदर्शी इंटर एवं इंटर-सरकारी प्रक्रियाओं को उपयोग में लाना है। ई-ऑफिस का दर्शन सभी सरकारी कार्यालयों में एक सरलीकृत, अनुक्रियात्मक, कारगर और पारदर्शी कार्यप्रणाली प्राप्त करना है। एनआईसी का ई-ऑफिस उत्पाद एक ओपन आर्किटेक्चर फ्रेमवर्क पर आधारित है जिसमें सरकार की गतिशील आवश्यकताओं को उन्नत करने और उन्हें पूरा करने के लिए आवश्यक



सचिव श्री आनंद कुमार और संयुक्त सचिव श्री भानु प्रताप यादव प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री तथा कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह से प्रमाणपत्र प्राप्त करते हुए





नमनीयता है। मंत्रालय में ई-ऑफिस जून, 2016 के दौरान आरंभ किया गया और मार्च, 2019 के अंत तक लगभग 13,500 फाइलों और 75,000 आवतियों का सृजन किया गया है। इरेडा जो एमएनआरई का सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, ने भी ई-ऑफिस को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है।

- (ii) उक्त कार्यनिष्पादन के आधार पर मंत्रालय को प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री तथा कार्मिक और लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह से सराहना स्वरूप प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। यह प्रमाणपत्र सचिव एमएनआरई श्री आनंद कुमार और संयुक्त सचिव श्री भानु प्रताप यादव द्वारा दिनांक 14.03.2018 को संयुक्त रूप से प्राप्त किया गया।

#### 12.4.1.5 सौर तापीय/प्रकाशवोल्टीय प्रणालियों के लिए सीमा-शुल्क/उत्पाद शुल्क में छूट

मंत्रालय विभिन्न विकासकर्ताओं के लिए विभिन्न शर्तों के आधार पर सीमा-शुल्क में छूट और उत्पाद शुल्क में छूट जारी कर रहा है। मंत्रालय को संपूर्ण देश में स्थित और प्रकाशवोल्टीय/सौर तापीय परियोजनाओं के लिए रियायती सीमा-शुल्क और उत्पाद शुल्क प्रमाणपत्र जारी करने में सहायता करने के लिए सीसीएमएस नामक एक ऑनलाइन प्रणाली का डिजाइन विकास और कार्यान्वयन किया गया है। इस एप्लिकेशन को अभी क्लाइंट पर होस्ट किया गया है एवं 2017 के आरंभ से अब तक लगभग 16,000 प्रमाणपत्रों की मंजूरी दी गई।

#### 12.4.1.6 व्यय प्रबंधन प्रणाली

मंत्रालय के सभी प्रभागों द्वारा वित्तीय सहमति और व्यय की प्रगति की निगरानी करने के लिए एक वेब आधारित अनुप्रयोग का विकास और कार्यान्वयन किया गया है। इस अनुप्रयोग की मुख्य-मुख्य बातें निम्नलिखित हैं:-

1. प्रभाग वास्तविक समय आधार पर सहमति देख सकता है।
2. प्रत्येक द्वारा व्यक्तिगत रूप से अनुरक्षित व्यय रजिस्टर के लिए एक केंद्रीय रिपॉजिटरी के रूप में प्रतिस्थापन।
3. सहमति/व्यय सारांश रिपोर्ट की ऑनलाइन उपलब्धता प्रदान करना।
4. उन प्रभागों/योजनाओं/फाइलों को दर्शाना जिनमें आईएफडी की सहमति के बावजूद धनराशि जारी नहीं की गई है।

#### 12.4.1.7 वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधा के माध्यम से परियोजना की निगरानी

मंत्रालय की वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधा का व्यापक रूप से उपयोग विभिन्न राज्य एजेंसियों और विदेशों के साथ बैठकें आयोजित करने के लिए किया जाता है। प्रगति (अग्र सक्रिय शासन और सामयिक कार्यान्वयन) वीसी का संचालन भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रत्येक चौथे बुधवार को किया जाता है। इसमें मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भाग लेते हैं।

#### 12.4.2 सतर्कता

- (i) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के सतर्कता प्रभाग को भारत सरकार और केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा जारी विभिन्न नियमों, दिशानिर्देशों और अनुदेशों के अनुसार भ्रष्टाचार निरोधक उपाय करने का दायित्व सौंपा गया है। मंत्रालय का सतर्कता एकक मंत्रालय और इसके तीन स्वायत्त निकायों, नामतः राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (नाइस), राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान (नीवे) और राष्ट्रीय जैव ऊर्जा संस्थान (नीबे) के सतर्कता कार्यों की देखरेख करता है। इस प्रभाग को मंत्रालय के अधिकारियों की वार्षिक कार्यनिष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट (एपीएआर) और अचल संपत्ति विवरणी (आईपीआर) के रखरखाव का दायित्व सौंपा गया है।
- (ii) विभिन्न स्रोतों अर्थात् सीबीआई, सीवीसी और अन्य से प्राप्त शिकायतों को नियमानुसार निपटाया गया और जहाँ वारंट जारी हुआ वहाँ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई।
- (iii) मंत्रालय में दिनांक 29 अक्टूबर, 2018 से 03 नवम्बर, 2018 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के भाग के रूप में निम्नलिखित कार्यक्रमलाप संचालित किए गए:-
- क. सचिव, एमएनआरई द्वारा दिनांक 29.10.2018 को पूर्वाह्न 11.00 बजे सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाना।



- ख. मंत्रालय के अधिकारियों के लिए निवारक सतर्कता "भ्रष्टाचार मिटाओ – नए भारत का निर्माण करो" पर आईएसटीएम के पूर्व संकाय सदस्य द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान।
- ग. मंत्रालय के अधिकारियों के लिए निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- घ. मंत्रालय के परिसर में भ्रष्टाचार निवारण और निवारक सतर्कता पर बैनरों में नारे छिपकाए गए।
- ङ. सतर्कता मामलों पर एक ऑन द स्पॉट क्विज आयोजित किया गया।
- (iv) निवारक सतर्कता के भाग के रूप में मंत्रालय के संवेदनशील और गैर-संवेदनशील पदों की एक सूची तैयार की गई है और मंत्रालय के प्रशासन प्रभाग को तैनातियों में रोटेशन नीति अपनाने हेतु प्रेरित किया गया है। इसके अतिरिक्त ई-टेंडरिंग और खरीदारियों के लिए मानक विकसित करने पर भी बल दिया गया।
- (v) इस मंत्रालय और इसके स्वायत्त संगठनों के संबंध में सत्यनिष्ठा संबंधी मामले अपलोड किए गए और बोर्ड स्तर के अधिकारियों के संबंध में सतर्कता संबंधी जानकारी को ई-पोर्टल सॉल्व (एसओएलवीई) पर मासिक रूप से अद्यतित किया जाता है। मंत्रालय के वैज्ञानिक संवर्ग के अधिकारियों को छोड़कर अन्य सभी अधिकारियों की वार्षिक कार्यनिष्पादन रिपोर्टों को स्पैरो (एसपीएआरआरओडब्ल्यू) पर अपलोड किया जा रहा है।

#### 12.4.3 पुस्तकालय

- (i) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का पुस्तकालय अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में संदर्भ केन्द्र और ज्ञान भंडार के रूप में कार्य करता है। वर्तमान में पुस्तकालय में लगभग 15,374 पुस्तकें (उपहार में प्राप्त पुस्तकों सहित) उपलब्ध हैं जिनमें अक्षय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक विज्ञान, धारणीय विकास, इतिहास, समाजशास्त्र, भारतीय साहित्य, कंप्यूटर विज्ञान आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों की पुस्तकें शामिल हैं। वर्तमान वर्ष के दौरान पुस्तकालय में कुल 144 पुस्तकें जोड़ी गई हैं। पुस्तकालय के संग्रह में आम रुचि की पुस्तकें जैसे- खाद्य पदार्थ, रसोई, मूर्ति कला, पेंटिंग, पर्वतारोहण आदि भी शामिल हैं।
- (ii) मंत्रालय में गठित पुस्तकालय समिति पुस्तकों की संवीक्षा करती है और पुस्तकालय द्वारा खरीद हेतु इनकी संस्तुति करती है।
- (iii) वर्तमान में पुस्तकालय द्वारा हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं में 41 पाक्षिक पत्रिकाएं खरीदी जा रही हैं। इसके अतिरिक्त पुस्तकालय द्वारा आवश्यकतानुसार हिन्दी और अंग्रेजी में कुल 24 समाचार पत्र भी खरीद जा रहे हैं। पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं के बीच समाचार पत्रों की कतरनों के माध्यम से नवीनतम जानकारी भी उपलब्ध करा रहा है। पुस्तकालय लाइब्रेरी ऑटोमेशन के कार्यान्वयन से उपयोगकर्ताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी कार्य कर रहा है।

#### 12.4.4 सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

- (i) मंत्रालय कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), केन्द्रीय सूचना आयोग और गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 का कार्यान्वयन कर रहा है। आरटीआई अधिनियम, 2005 के अंतर्गत जानकारी प्राप्त करने संबंधी प्रक्रिया/अन्य विवरण एमएनआरई वेबसाइट [www.mnre.gov.in](http://www.mnre.gov.in) पर उपलब्ध है।
- (ii) मंत्रालय ने आवंटित किए गए विषय के अनुसार आरटीआई आवेदनों और प्रथम अपील का उत्तर देने के लिए केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) और प्रथम अपील अधिकारी (एफएए) नियुक्त किए हैं। सीपीआईओ और प्रथम अपील अधिकारियों की सूची तालिका-12.4 में दी गई है। मंत्रालय का आरटीआई एकक जो सुश्री अलका जोशी, उप सचिव के अधीन कार्य करता है, द्वारा सभी वास्तविक और ऑनलाइन आवेदनों का समन्वय किया जाता है और केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारियों और प्रथम अपील अधिकारियों से जहां तक संभव हो, निर्धारित समयावधि के भीतर उनका उत्तर देने का अनुरोध करता है।
- (iii) अवधि के दौरान (01.01.2018 – 31.03.2019) प्राप्त किए गए, निपटाए गए तथा लंबित आरटीआई आवेदनों/प्रथम अपीलों से संबंधित प्रगति रिपोर्ट तालिका-12.5 में दी गई है।



तालिका-12.4: कार्य के पुनरावंटन के आधार पर नामित केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारियों (सीपीआईओ) और अपील अधिकारियों की सूची (31.03.2019 की स्थिति के अनुसार)

क्र.सं.	विषय	सीपीआईओ	अपील अधिकारी
1	स्वच्छ विकास तंत्र (सीडीएम) सहित जलवायु परिवर्तन संबंधी पहलें, अक्षय ऊर्जा खरीद बाध्यता (आरपीओ) संबंधी मामले, आरईसी नीति, आईएनएसपीए, एनसीईएफ, हाइड्रोजन, ईंधन सेल, और आईआरईपी, विद्युत वाहन और नेशनल बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रिक मोबाइलिटी, नवीन प्रौद्योगिकी, सूचना और जनजागरूकता के विशिष्ट संदर्भ और अक्षय ऊर्जा नीति एवं विनियम।	श्री दीपेश फेरवानी, वैज्ञानिक-बी	डॉ. पी.सी. मैथानी, वैज्ञानिक-जी
2	योजना और समन्वय, इरेडा	श्री अनुभव उप्पल, वैज्ञानिक-बी	डॉ. पंकज सक्सेना वैज्ञानिक-एफ
3	अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अभिनव वित्तपोषण, ऊर्जा उपलब्धता पर बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाएं (यूएनडीपी/जीईएफ, डीएफआईडी, जीआईजेड द्वारा आंशिक रूप से वित्तपोषित)	श्री विजय कुमार भारती, वैज्ञानिक-बी	डॉ. जी. प्रसाद, वैज्ञानिक-एफ
4	किसानों के लिए सौर योजना, हरित ऊर्जा कॉरिडोर, भूतापीय, सागरीय/ज्वारीय ऊर्जा	श्री रोहित ठकवानी वैज्ञानिक-बी	श्री गिरीश कुमार वैज्ञानिक-ई
5	सौर तापीय ग्रुप-सौर संकेन्द्रक और सौर कुकर, एनटीपीसी - बंडलिंग योजना, एनटीपीसी-ईपीसी योजना	श्री अरविन्द एमए वैज्ञानिक-बी	श्री एच.आर. खान वैज्ञानिक-जी
6	बायोगैस विद्युत, राष्ट्रीय बायोगैस कार्यक्रम, बायोगैस प्रशिक्षण केन्द्र और बायोगैस अनुसंधान तथा विकास	श्री एस.आर. मीना वैज्ञानिक-सी	श्री जी. एल. मीना, वैज्ञानिक-जी
7	आईटीईसी नवोन्मेष केन्द्र सहित मानव संसाधन विकास और प्रशिक्षण, लेब नीति मानक और गुणवत्ता नियंत्रण	सुश्री वसन्ता वी. ठाकुर, वैज्ञानिक-डी	डॉ. पी.सी. पंत, वैज्ञानिक-एफ
8	ऑफग्रीड सौर, कृषि पंप योजना, स्ट्रीट लाइट, होम लाइट	श्री शोभित श्रीवास्तव, वैज्ञानिक-सी	श्री जीवन कुमार जेटानी, वैज्ञानिक-ई
9	लघु पन बिजली परियोजनाएं (निजी क्षेत्र), पन चक्कियाँ, उत्तराखंड की लघु पन बिजली परियोजनाएं (सरकारी क्षेत्र), पूर्वोत्तर की चीनी मिलें, मिनी-माइक्रो हाइडल	श्री एस.के. शाही, वैज्ञानिक-सी	डॉ. पी.सी. पंत, वैज्ञानिक-एफ
10	वीजीएफ योजना, जीबीआई	श्री नीरज कुमार, वैज्ञानिक-सी	श्री बी.एल. राम, वैज्ञानिक-जी
11	ऊर्जा भंडारण, ई-मोबाइलिटी तथा अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन एवं अक्षय ऊर्जा नीति और विनियमों के विशिष्ट संदर्भ	श्री तरुण सिंह, वैज्ञानिक-सी	डॉ. पी.सी. मैथानी, वैज्ञानिक-जी
12	सौर रूफटॉप, रूफटॉप योजना के तहत बाह्य सहायता, आरटी योजना के तहत टीए	श्री हिरेन बोराह, वैज्ञानिक-सी	श्री औजेंदर सिंह उप सचिव
13	लघु पवन ऊर्जा, अपतटीय पवन, पवन टरबाइन का निर्माण (सीसीडीसी) रियायती सीमा-शुल्क प्रमाणपत्र	श्री पी.के. दास, वैज्ञानिक-सी	श्री बी.के. पांडा, वैज्ञानिक-ई
14	पवन ऊर्जा, पवन आरपीओ (अक्षय ऊर्जा खरीद बाध्यता), आरईसी (अक्षय ऊर्जा प्रमाणपत्र)	श्री राहुल रावत, वैज्ञानिक-बी	श्री जी. उपाध्याय वैज्ञानिक-एफ
15	सौर (आर एंड डी), (एसटी एंड एसपीवी), सौर जल तापक, सौर तापीय ग्रुप दृ प्लैट प्लेटफॉर्मिफिकेट ट्यूब संग्राहक/गैर संकेन्द्रक संग्राहक प्रणालियाँ दृ एयर हीटर, ड्रायर, प्रत्यक्ष कुकिंग प्रणाली और क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र से संबंधित अनुप्रयोग संबंधी सभी मामले	श्री अनिल कुमार, वैज्ञानिक-सी	श्री राजेश कुमार वैज्ञानिक-एफ



16	ग्रिड संबद्ध पीवी एवं एसटी-। (एचवीवीए संबंधी तथा अन्य सभी), ट्रीपसमूहों की ग्रीनिंग	श्री संजय कर्णधार, वैज्ञानिक-सी	श्री रुचिन गुप्ता, निदेशक
17	सीसीडीसी सौर विद्युत	श्री अरुण कुमार, वैज्ञानिक-सी	श्री आनंद नरवाने, वैज्ञानिक-ई
18	सौर शहर कार्यक्रम, हरित भवन	श्री अरुण कुमार, वैज्ञानिक-सी	श्री एच.आर. खान, वैज्ञानिक-जी
19	सूचना प्रद्योगिकी, आरई पोर्टल का विकास	श्री संजय प्रकाश, वैज्ञानिक-सी	श्री एस.के. जगवानी, वैज्ञानिक-एफ
20	आरई इनवेस्ट का आयोजन	डॉ. पी.सी. पंत, वैज्ञानिक-एफ	श्री भानु प्रताप यादव, संयुक्त सचिव
21	डीबीटी सेल	श्री सोहेल अख्तर, वैज्ञानिक-जी	श्री भानु प्रताप यादव, संयुक्त सचिव
22	आर एंड डी समन्वय और अनुवीक्षण	सुश्री रोहिणी सुब्रमणियम	डॉ. राजेश कुमार, वैज्ञानिक-एफ
23	बायोगैस से संबंधित जीएसटी	श्री एस.आर. मीना, वैज्ञानिक-सी	श्री रुचिन गुप्ता, निदेशक
24	पवन सीडीसी/ईडीई से संबंधित जीएसटी	श्री पी.के. दास, वैज्ञानिक-सी	श्री रुचिन गुप्ता, निदेशक
25	सौर सीडीसी/ईडीई से संबंधित जीएसटी	श्री अरुण कुमार, वैज्ञानिक-सी	श्री रुचिन गुप्ता, निदेशक
26	ग्रिड सौर से संबंधित जीएसटी	श्री संजय कर्णधार, वैज्ञानिक-सी	श्री रुचिन गुप्ता, निदेशक
27	ऑफ ग्रिड से संबंधित जीएसटी	श्री शोभित श्रीवास्तव, वैज्ञानिक-सी	श्री रुचिन गुप्ता, निदेशक
28	बायोमास से संबंधित जीएसटी	सुश्री प्रिया, वैज्ञानिक-बी	श्री रुचिन गुप्ता, निदेशक
29	बायोमास विद्युत योजनाएं और नीतियाँ, बायो ऊर्जा मिशन, बायोमास गैसीफायर, अपशिष्ट से ऊर्जा, कुक स्टोव	श्री एस.के. खुराना, अवर सचिव	श्री के. सलिल कुमार उप सचिव
30	सूचना और जनजागरुकता और सेमिनार और सिंपोजिया, अक्षय ऊर्जा के लिए उपलब्ध सांख्यिकी डेटा आधारित अध्ययन का आयोजन	श्री रघुनाथ अवर सचिव	श्री एन.बी. राजू, वैज्ञानिक-ई
31	सतर्कता	सुश्री सुनीता घेवाल, अवर सचिव	श्री रुचिन गुप्ता, निदेशक
32	राष्ट्रीय सौर मिशन, सौर पार्क, रक्षा योजनाएं	श्री देवेन्द्र सिंह,अवर सचिव	श्री दिलीप निगम, वैज्ञानिक-जी



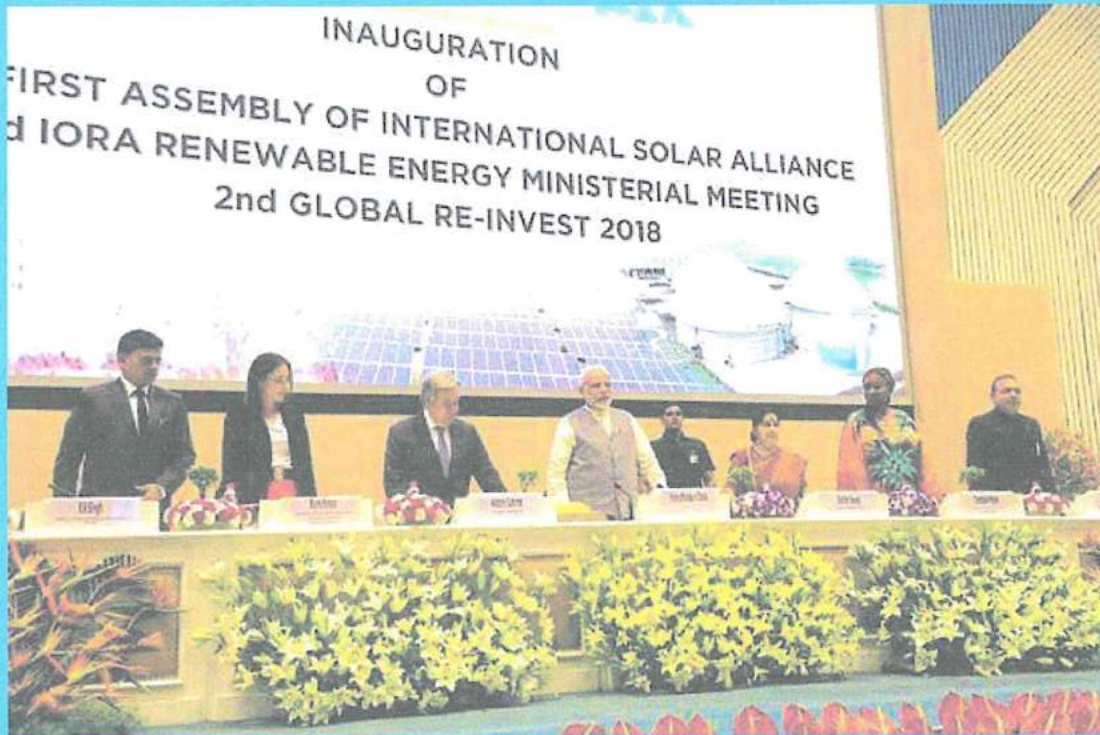
33	सेकी	श्री देवेन्द्र सिंह, अवर सचिव	श्री रुचिन गुप्ता, निदेशक
34	अंतर्राष्ट्रीय संबंध (आईआर)	श्री चलपति राव, वैज्ञानिक-सी	सुश्री वीना सिन्हा, निदेशक
35	राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभाग), नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा का कार्यालय	श्री रघुनाथ, अवर सचिव	श्री ए.एन. शरण, संयुक्त सचिव
36	संसदीय कार्य	श्री ए.के. सिंह, अवर सचिव	डॉ. पंकज सक्सेना, वैज्ञानिक-एफ
37	लोक शिकायत	श्री ए.के. सिंह, अवर सचिव	सुश्री अलका जोशी, उप सचिव
38	प्रशासन	श्री अरविन्द पोखरियाल, अवर सचिव	श्री जी. उपाध्याय, वैज्ञानिक-एफ
39	एसएसएस-नीबे	श्री अरविन्द पोखरियाल, अवर सचिव	श्री के. सलिल कुमार, उप सचिव
40	आईएफडी	श्री के.जी. सुरेश कुमार, अवर सचिव	श्री संदीप मुखर्जी, उप सचिव
41	नाइस	श्री देवेन्द्र सिंह, अवर सचिव	श्री के. सलिल कुमार उप सचिव
42	आरटीआई मामले	सुश्री अलका जोशी, उप सचिव	सुश्री सुतपा मजुमदार, आर्थिक सलाहकार
43	हिन्दी, पुस्तकालय	सुश्री अलका जोशी, उप सचिव	सुश्री सुतपा मजुमदार, आर्थिक सलाहकार
44	एसएडीपी, अक्षय ऊर्जा शॉप	श्री के.सी. वासुदेवन, अवर सचिव	श्री जे.के. जेटानी, वैज्ञानिक-ई
45	बजट, व्यय निगरानी, लेखा एवं सांख्यिकीय विश्लेषण	श्री के.सी. वासुदेवन, अवर सचिव	सुश्री अलका जोशी, उप सचिव
46	नीवे	श्री राहुल रावत, वैज्ञानिक-बी	श्री के. सलिल कुमार, उप सचिव
47	वेतन और लेखा कार्यालय, बजट	श्री प्रताप सिंह, वरिष्ठ लेखा अधिकारी	श्री संजय पाण्डे, लेखा नियंत्रक

तालिका-12.5: दिनांक 31.03.2019 की स्थिति के अनुसार प्राप्त निष्पादित और लंबित आरटीआई आवेदनों के ब्यौरे (संख्या)

मद	प्राप्त	निष्पादित	लंबित
आरटीआई आवेदन	1411	1355	56
प्रथम अपील	83	82	01



## 13: अन्तर्राष्ट्रीय नवीन और अक्षय ऊर्जा सहयोग





## अन्तर्राष्ट्रीय नवीन और अक्षय ऊर्जा सहयोग

- 13.1 मंत्रालय का अंतर्राष्ट्रीय संबंध (आईआर) प्रभाग, नवीन और अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग के लिए डीईए, एमईए, विभिन्न विकसित और विकासशील देशों के मिशनों, बहुपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और विदेशों में भारत के मिशनों के साथ लगातार कार्य कर रहा है।
- 13.2 वर्ष 2018-19 के दौरान मंत्रालय द्वारा कार्यान्वयन करार (आईए)/अनुपूरक करार (एसए)/आशय पर (एलओआई) इत्यादि पर हस्ताक्षर करके नवीन और अक्षय ऊर्जा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की गईं। मंत्रालय ने वास्तविक दौरे करके और वीडियो कांफ्रेंस करके द्विपक्षीय/बहुपक्षीय संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) बैठकें; भी आयोजित की। इन द्विपक्षीय/बहुपक्षीय/जेडब्ल्यूजी बैठकों में भाग लेने, समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने आदि के प्रयोजनार्थ माननीय मंत्री जी तथा वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर दौरे किए गए।
- 13.3 एमएनआरई ने नवीन और अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में करीब 45 देशों के साथ कुल 78 समझौता ज्ञापनों (एमओयू)/करारों/सहमति पत्रों (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए हैं। इन एमओयू/करारों के तहत कार्यान्वयन हेतु संयुक्त कार्यकलापों की पहचान, चयन और निरूपण की निगरानी करने के लिए संयुक्त कार्यदलों (जेडब्ल्यूजी) का गठन किया गया। अन्य देशों के साथ भी अन्य मंत्रालयों जैसे— विदेश मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय एवं विद्युत मंत्रालय, नीति आयोग आदि के संयुक्त आयोगों/संयुक्त समितियों/संयुक्त कार्यदलों के माध्यम से भी संवाद किया जाता है। कई देशों के साथ द्विपक्षीय स्तर पर परस्पर सहमति से परियोजनाओं और सहयोग कार्यक्रमों की भी स्थापना की गई है यद्यपि उनके साथ कोई विशिष्ट समझौता ज्ञापन संपन्न नहीं किया गया है।
- 13.4 इसके अतिरिक्त भारत द्वारा विभिन्न बहुपक्षीय/त्रिपक्षीय सहयोग ढांचों, जैसे—दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (सार्क), दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के संघ (आसियान), ब्राजील—रूस—भारत—चीन—दक्षिण अफ्रीका (ब्रिक्स), भारत—ब्राजील—दक्षिण अफ्रीका (आईबीएसए) आदि के अंतर्गत साझेदारी की जाती रही है।
- 13.5 मंत्रालय को विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय/बहुराष्ट्रीय निधिकरण एजेंसियों, जैसे— विश्व बैंक, न्यू डेवलपमेंट बैंक, क्रेफडब्ल्यू, अफ्रीकी विकास बैंक (एएफडीबी), संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी), एशियाई विकास बैंक (एडीबी), संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ), जीआईजेड और वैश्विक पर्यावरण सुविधा (जीईएफ) से सहायता प्राप्त होती है जो भारत में अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए परियोजना आधारित सहायता उपलब्ध कराते हैं।
- 13.6 मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (नाइस) को शामिल कर अफ्रीकी और अन्य विकासशील देशों में विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए भी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। भारत के शीर्षस्थ संस्थानों, नामतः राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (नाइस), गुरुग्राम, राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान, चेन्नई, वैकल्पिक जल विद्युत केन्द्र (एएचईसी), आईआईटी, रुड़की और भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बंगलुरु में भारत सरकार के आईटीईसी कार्यक्रम के अंतर्गत सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, लघु पन बिजली और बायोमास के क्षेत्रों में अफ्रीकी और अन्य विकासशील देशों में विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं।
- 13.7 वर्ष 2018-19 के दौरान 7 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। इनसे संबंधित ब्यौरे निम्नानुसार हैं:—
1. भारत गणराज्य की सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और मोरक्को गणराज्य के खान और सतत विकास मंत्रालय के बीच दिनांक 10 अप्रैल, 2018 को नई दिल्ली, भारत में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
  2. भारत गणराज्य के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा पेरू गणराज्य के ऊर्जा और खान मंत्रालय के बीच अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग पर लीमा पेरू में दिनांक 21 मई, 2018 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
  3. भारत गणराज्य की सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा बहरीन गणराज्य के विद्युत और जल प्राधिकरण मंत्रालय के बीच दिनांक 15 जुलाई, 2018 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।



4. भारत गणराज्य के भारतीय सौर ऊर्जा निगम (सेकी) और फ्रांस के गणराज्य के आई एनर्जी एटामिक एट ऑक्स एनर्जीज अल्टरनेटिव और ब्लू स्टोरेज के बीच 03 अक्टूबर, 2018 को नई दिल्ली, भारत में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
  5. भारत गणराज्य के भारतीय सौर ऊर्जा निगम (सेकी) और फ्रांस गणराज्य के द एजेंस फ्रांस इसे डी डेवलपमेंट (एएफडी) के बीच 08 अक्टूबर, 2018 को नई दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
  6. भारत गणराज्य की सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा तजाकिस्तान गणराज्य के ऊर्जा और जल संसाधन मंत्रालय के बीच 08 अक्टूबर, 2018 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
  7. एमएनआरई के राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान (नीवे) तथा डेनमार्क गणराज्य के डेनमार्क तकनीकी विश्वविद्यालय (डीटीयू पवन ऊर्जा), पवन ऊर्जा विभाग के बीच दिनांक 17 दिसंबर, 2018 को नई दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- 13.8 वर्ष 2018-19 के दौरान माननीय मंत्री, सचिव और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में द्विपक्षीय/ बहुपक्षीय सहयोग के रूप में विभिन्न बैठकें आयोजित की गईं।
- 13.9 वर्ष 2018-19 के दौरान मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निम्नलिखित विदेशी दौरे किए गए हैं :
- श्री आर. के. सिंह, माननीय मंत्री, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और उनके निजी सचिव श्री मनोज कुमार सिंह, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 16-18 जनवरी 2018 तक वर्ल्ड फ्युचर एनर्जी सम्मिट और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की बैठक में भाग लेने के लिए आबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया।
  - श्री जी. प्रसाद, वैज्ञानिक-एफ, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 29 जनवरी 2018-1 फरवरी 2018 तक सीआईएम -9/एमआई-3 बैठक में भाग लेने के लिए ओट्टावा, कनाडा का दौरा किया।
  - श्री गोपाल कृष्ण गुप्ता, संयुक्त सचिव, नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 5-6 फरवरी 2018 तक व्यापार, अर्थशास्त्र, टिकाऊ, तकनीकी, औद्योगिक, संस्कृति और सहयोग करने के लिए संयुक्त अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में भाग लेने के लिए कीव, यूक्रेन का दौरा किया।
  - श्री आनंद कुमार, सचिव नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, श्री भानुप्रताप यादव, संयुक्त सचिव नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और श्री के. बलरामन, महानिदेशक राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान द्वारा 26-28 फरवरी 2018 तक भारत-डेनमार्क जेडब्लूजी बैठक, नीवे और डीटीयू के बीच समझौता ज्ञापन और डेनमार्क में अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए संयुक्त रूप से डेनमार्क का दौरा किया।
  - श्री गोपाल कृष्ण गुप्ता, संयुक्त सचिव नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 13-15 अप्रैल 2018 तक पाँचवीं रणनीतिक आर्थिक वार्ता (एसईडी) बैठक में भाग लेने के लिए बीजिंग, चाइना का दौरा किया।
  - डॉक्टर राजेश कुमार, वैज्ञानिक-एफ नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और डॉक्टर ए. के. त्रिपाठी, महानिदेशक राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (नाइस) द्वारा 23-27 अप्रैल 2018 तक नाइस में 2 मेगावाट के इन्वर्टर परीक्षण सुविधा की संस्थापना के संबंध में टोक्यो, जापान का दौरा किया।
  - डॉक्टर पी. सी. मैथानी, वैज्ञानिक-जी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 3-10 मई 2018 तक यूएनएफसीसीसी बान जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में भाग लेने के लिए बान, जर्मनी का दौरा किया।
  - श्री ए. एन. शरन, संयुक्त सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 7-9 मई 2018 तक अंतरराष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा एजेन्सी (इरेना) परिषद की बैठक और अन्य संबंधित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया।



- श्री पी.एन.बी.वी. चलपति राव, वैज्ञानिक-सी, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, और श्री वाई. बी. के. रेड्डी, डीजीएम, भारतीय सौर ऊर्जा निगम (सेकी) द्वारा 9-10 मई 2018 तक सार्क की आधुनिक तकनीकों पर साझा कार्यशाला और अक्षय ऊर्जा प्रशुल्क को कम करने के लिए अक्षय ऊर्जा नीलामी की श्रीलंका में सम्पन्न बैठक में भाग लेने के लिए श्रीलंका का दौरा किया।
- श्री आनंद कुमार, सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और श्री के. एस. पोपली, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, इरेडा द्वारा संयुक्त रूप से 28-30 मई 2018 के दौरान न्यू डेव्लपमेंट बैंक (एनडीबी) के बोर्ड ऑफ गवर्नर की तीसरी वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए चाइना के शंघाई का दौरा किया।
- श्री जे. के. जैटानी, वैज्ञानिक -ई नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 4-8 जून 2018 तक एशिया स्वच्छ ऊर्जा मंच (एसैफ) की बैठक में भाग लेने के लिए मनीला, फिलीपिंस का दौरा किया।
- श्री ए. एन. शरन, संयुक्त- सचिव नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 13-15 जून 2018 तक जी-20 ऊर्जा रूपान्तरण कार्य दल की बैठक में भाग लेने के लिए बारिलोचे, अर्जेंटीना का दौरा किया।
- श्री आनंद कुमार, सचिव नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, श्री गोपाल कृष्ण गुप्ता संयुक्त सचिव नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और श्री जतीन्द्र नाथ स्वेन प्रबंध निदेशक भारतीय सौर ऊर्जा निगम (सेकी) द्वारा संयुक्त रूप से 20-23 जून 2018 तक भारत-जर्मनी ऊर्जा मंच, एक फ्लोटिंग सौर ऊर्जा संयंत्र, अन्य नवीन परियोजना स्थलों और इंटर सोलर यूरोप 2018 की बैठकों में भाग लेने के लिए म्यूनिच, जर्मनी का दौरा किया।
- श्री दिलीप निगम, वैज्ञानिक-जी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा माननीय मंत्रीजी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल के भाग के रूप में 28-29 जून 2018 तक ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रियों की तीसरी बैठक में भाग लेने के लिए गौतेंग, दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया।
- श्री रोहित ठकवानी, वैज्ञानिक-बी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 8-14 जुलाई 2018 के दौरान "भारत में सौर ऊर्जा खपत आधारित विद्युत उत्पादन" के बारे में एक सप्ताह की तकनीकी जानकारी/सेमिनार/प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बावरिया, जर्मनी का दौरा किया।
- श्री जे. के. जैटानी, वैज्ञानिक-ई नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, श्री जे. एन. स्वैन प्रबंध निदेशक भारतीय सौर ऊर्जा निगम, श्री ए. के. त्रिपाठी महानिदेशक राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान गुरुग्राम और श्री पी. के. दास सहायक निदेशक राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से 20-24 अगस्त 2018 तक "सौर संसाधन आंकलन और मॉडलिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम" में भाग लेने के लिए कॉलोरैडो, यूएसए का दौरा किया।
- डॉक्टर पी. सी. मैथानी, वैज्ञानिक-जी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 6-9 सितम्बर 2018 तक संयुक्त राष्ट्र कार्य ढांचा करार सम्मेलन (यूएफसीसीसी) की जलवायु परिवर्तन संबंधी बैठक में भाग लेने के लिए बैंकॉक, थायलैंड का दौरा किया।
- श्री आनंद कुमार, सचिव नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 10-13 सितम्बर 2018 तक यूनाइटेड किंगडम के अंतरराष्ट्रीय शून्य उत्सर्जन वाहन (जेव) शिखर सम्मेलन 2018, भारत-ब्रिटेन ऊर्जा विकास वार्ता और भारत-ब्रिटेन संयुक्त कार्य दल की बैठक में भाग लेने के लिए यूनाइटेड किंगडम, लंदन का दौरा किया।
- सुश्री वीणा सिन्हा, निदेशक नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 24-26 अक्टूबर 2018 तक लो-कार्बन प्रौद्योगिकी पर तीसरे एशिया-प्रशांत मंच की बैठक में भाग लेने के लिए चिंगा, चाइना का दौरा किया।
- डॉक्टर बी. एस. नेगी, वैज्ञानिक-जी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 23-24 अक्टूबर 2018 तक अंतरराष्ट्रीय विद्युत तकनीकी आयोग (आईईसी) नियामक मंच 2018 में भाग लेने के लिए बूसान, दक्षिण कोरिया का दौरा किया।





## INAUGURATION OF FIRST ASSEMBLY OF INTERNATIONAL SOLAR ALLIANCE & IORA RENEWABLE ENERGY MINISTERIAL MEETING 2nd GLOBAL RE-INVEST 2018



- श्री आनंद कुमार, सचिव नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और श्री ए. एन. शरन संयुक्त सचिव नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से 12-15 नवम्बर 2018 तक अंतर्राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा एजेंसी (इरेना) परिषद की सोलहवीं बैठक और संबन्धित बैठकों में भाग लेने के लिए आबू धाबी, यूएई का दौरा किया।
- डॉक्टर पी. सी. मैथानी, वैज्ञानिक-जी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा माननीय मंत्रीजी के नेतृत्व में 02-14 अप्रैल 2018 के दौरान यूएनएफसीसी के विभिन्न पक्षों के सम्मेलन (कॉप-24) के 24वें सत्र और ईएफएंडसीसी के प्रतिनिधिमण्डल के रूप में वैज्ञानिक और तकनीकी परामर्श के सहायक निकाय के 49वें सत्र में भाग लेने के लिए कटोविस, पोलैंड का दौरा किया।
- श्री दीपेश फेरवानी, वैज्ञानिक-बी, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 4-7 दिसम्बर 2018 के दौरान अर्थव्यवस्था में (आईपीएचई) में हाइड्रोजन और ईंधन सेल के लिए अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी की 30वीं संचालन समिति की बैठक में भाग लेने के लिए प्रिटोरिया, दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया।



द्वितीय हिंद महासागर रिम एसोशिएशन (आई ओ आर ए) अक्षय ऊर्जा मंत्रीस्तरीय बैठक





प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) महासभा

- श्री आनंद कुमार, सचिव नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और श्री जे. के. गुप्ता, संयुक्त सचिव नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से 10-12 दिसम्बर 2018 के दौरान यूएनएफसीसीसी के विभिन्न पक्षों के सम्मेलन (कॉप-24) में भाग लेने के लिए कटोविस , पोलैंड का दौरा किया।
- श्री आर. के. सिंह, माननीय मंत्री नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, श्री आनंद कुमार, सचिव नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और श्री मनोज कुमार, मंत्रीजी के निजी सचिव नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से 13-14 जनवरी 2019 तक इरेना के 9वें सत्र और आबू धाबी में स्थिरता सप्ताह की बैठक में भाग लेने के लिए आबू धाबी, यूएई का दौरा किया।
- श्री आनंद कुमार, सचिव नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और श्री ए. एन. शरन, संयुक्त सचिव नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से 25-28 फरवरी 2019 तक भारत-यूएस रणनीतिक ऊर्जा साझेदारी के तहत बैठक में भाग लेने के लिए वॉशिंग्टन डीसी और सैन्स-फ्रांसिस्को , यूएसए का दौरा किया।
- श्री जे. के. जेटानी, वैज्ञानिक-ई नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 25-26 जनवरी 2019 तक एशियाई विकास बैंक द्वारा आयोजित हिन्दू कुश हिमालय में स्वच्छ ऊर्जा के लिए स्थायी पहुँच पर कार्यशाला में भाग लेने के लिए थिंपु, भूटान का दौरा किया।
- श्री तरुण सिंह, वैज्ञानिक-सी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 25-26 फरवरी 2019 तक "अक्षय ऊर्जा और भंडारण प्रणाली" पर सम्मेलन में भाग लेने के लिए केपटाउन, दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया।
- श्री पी. एन. बी. वी. चलपति राव, वैज्ञानिक-सी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और श्री मनीष सिंह बिष्ट, वैज्ञानिक-बी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से 25.02.2019 से 01.03.2019 तक जीआईजेड द्वारा आयोजित अक्षय अकादमी (रीनेक) में अक्षय ऊर्जा की ग्रिड संबद्धता पर प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए बर्लिन, जर्मनी का दौरा किया।
- श्री तरुण सिंह, वैज्ञानिक-सी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और श्री अनुभव उप्पल , वैज्ञानिक-बी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से 11-15 मार्च 2019 तक 17वीं अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के ऊर्जा संख्यिकी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पेरिस, फ्रांस का दौरा किया।
- श्री बी.के. पांडा, वैज्ञानिक-ई, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 25-29 मार्च 2019 तक अपतटीय पवन पर एक अध्ययन दौरे में भाग लेने के लिए डेनमार्क का दौरा किया।



- 13.10 नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा भारत में 2-4 अक्तूबर, 2018 तक दिल्ली एनसीआर भारत में द्वितीय आईओआरए अक्षय ऊर्जा मंत्रिस्तरीय और विशेषज्ञ बैठकें, प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन महासभा, दूसरी वैश्विक अक्षय ऊर्जा निवेश बैठक और एक्स पो (री-इवैस्ट-2018), की मेजबानी की गई। तीनों कार्यक्रमों का उद्घाटन 2 अक्तूबर, 2018 को संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव श्री एंटोनियो गुटेरेस और भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।
- 13.11 2018 में आईओआरए और आईएसए ने 3 अक्तूबर, 2018 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जो वर्ष 2018 में एक मील का पत्थर साबित हुआ। अक्षय ऊर्जा की पहुंच, ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान करने के एक कुशल समाधान के रूप में मान्यता देते हुए इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य क्षेत्र के भीतर सतत विकास और सौर विद्युत संस्थापना को बढ़ावा देना है।
- 13.12 3 अक्तूबर, 2018 को आयोजित दूसरी आईओआरए अक्षय ऊर्जा विशेषज्ञों की बैठक में विशेषज्ञों को इस क्षेत्र में ऊर्जा जरूरतों पर चर्चा, संबंधित एजेंसियों के बीच सहयोग, समन्वय में चुनौतियों की पहचान करना और सहयोग के संभावित रास्तों के लिए एक मंच प्रदान किया। विशेषज्ञों की बैठक में आईओआरए के लिए ऊर्जा की जरूरतों, अक्षय ऊर्जा विस्तारों, अक्षय ऊर्जा कार्यान्वयन (जी2बी) में चुनौतियां और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए संभावनाएं और अवसर शामिल थे। विशेषज्ञों ने क्षमता निर्माण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और इस दस्तावेज के माध्यम से आईओआरए में अक्षय ऊर्जा के लिए आगे बढ़ने के तरीकों की अवधारणा प्रस्तुत की। 4 अक्तूबर, 2018 को आयोजित अक्षय ऊर्जा मंत्रिमंडलीय बैठक में "की टेकअवेज" को अपनाया गया। 17 सदस्य देशों के ऊर्जा मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों द्वारा प्रतिनिधित्व किया और इस आयोजन में भाग लिया और सतत विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए अक्षय ऊर्जा पर दिल्ली घोषणा को अपनाया।

### 13.13 अंतर्राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा एजेंसी (आईआरईएनए) के साथ साझेदारी

- 13.13.1 भारत अंतर्राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा एजेंसी (आईआरईएनए) के संस्थापक सदस्यों में शामिल है जो एक अंतर-सरकारी संगठन है जिसके द्वारा देशों को भविष्य में धारणीय ऊर्जा को अपनाने में सहायता प्रदान की जाती है और जो अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, उत्कृष्टता के केन्द्र हेतु एक प्रमुख मंच और अक्षय ऊर्जा पर नीति, प्रौद्योगिकी, संसाधन और वित्तीय जानकारी के संग्रह केन्द्र के रूप में कार्य करता है। आईआरईएनए द्वारा धारणीय विकास, ऊर्जा उपलब्धता, ऊर्जा संरक्षा और अल्प कार्बन आर्थिक विकास एवं समृद्धि का अनुशीलन करने के लिए बायो ऊर्जा, भू-तापीय, पन बिजली, महासागर, सौर और पवन ऊर्जा सहित अक्षय ऊर्जा के सभी स्वरूपों को व्यापक रूप से अपनाए जाने और उनके धारणीय उपयोग को बढ़ावा दिया जाता है।
- 13.13.2 विश्व भर के देशों से प्राप्त अधिदेश से इरेना द्वारा सरकारों को अक्षय ऊर्जा निवेश हेतु समर्थकारी नीतियों को अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है, अक्षय ऊर्जा की संस्थापना में तेजी लाने के लिए व्यावहारिक उपकरण और नीतिगत सलाह दी जाती है, और विश्व की बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए स्वच्छ एवं धारणीय ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए जानकारी को साझा करने और प्रौद्योगिकी अंतरण को बढ़ावा दिया जाता है।
- 13.13.3 भारत द्वारा इरेना परिषद के एक सदस्य के रूप में कार्य किया गया और वर्ष 2015 में इरेना परिषद की बैठकों की अध्यक्षता भी की गई जो असेम्बली के प्रति जवाबदेह है और जो सदस्यों के बीच परस्पर विचार-विमर्श और सहयोग को बढ़ावा देता है तथा कार्य के मसौदा कार्यक्रम, मसौदा बजट और वार्षिक रिपोर्ट पर विचार करता है।
- 13.13.4 भारत नियमित रूप से इरेना की परिषद और वार्षिक आम सभा की बैठकों में भाग लेता है और आवश्यक सुझाव प्रदान करता है।

### 13.14 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

- 13.14.1 मंत्रालय के स्वायत्त संस्थान, भारतीय सौर ऊर्जा निगम (नाइस) और राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान (नीवे), भारतीय और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) के तहत विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के लिए विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन और संचालन करते हैं।



13.14.2 इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्राथमिक उद्देश्य प्रतिभागियों को सौर और पवन प्रौद्योगिकी, नीतिगत पहल, गुणवत्ता नियंत्रण और अक्षय ऊर्जा के उपयोग के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम सौर और पवन विद्युत परियोजनाओं के क्षेत्र में द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग की संभावनाओं को प्रोत्साहित करने में भी मदद करेंगे। ये कार्यक्रम प्रतिभागियों की तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाते हैं और सौर एवं पवन प्रौद्योगिकी पर वैश्विक रुझानों का ज्ञान प्रदान करते हैं। प्रशिक्षण के दौरान हासिल किए गए ज्ञान का उपयोग प्रतिभागियों द्वारा अपने संबंधित देशों में अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकी संस्थापित करते समय किया जा सकता है।

13.14.3 नीचे ने तालिका-13.1 में प्रदत्त निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों/कार्यशालाओं का आयोजन किया:-

तालिका 13.1 : नीचे द्वारा अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन				
क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम/ पाठ्यक्रम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	देशों की संख्या
1	आईटीईसी के तहत "विंड टर्बाइन टेक्नोलॉजी एंड एप्लीकेशन" पर 22 वां अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	18.07.2018 से 17.08.2018 तक	24	14 देश
2	आईटीईसी के तहत "पवन संसाधन मूल्यांकन और पवन फार्म योजना" पर विशेष अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	19.09.2018 से 12.10.2018 तक	17	11 देश
3	आईटीईसी के तहत "छोटे पवन टरबाइन के डिजाइन, स्थापना और रखरखाव पर विशेष अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम"	14.11.2018 से 14.12.2018 तक	31	14 देश
4	एआईएफएस-III के तहत अफ्रीकी देशों के लिए "लघु पवन टरबाइन के डिजाइन, स्थापना और रखरखाव" पर विशेष अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।	15.11.2018 से 13.12.2018 तक	21	10 देश
5	लघु पवन टरबाइन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला	30.11.2018 से 09.12.2018 तक	120	36 देश
6	लघु पवन टरबाइन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	10.12.2018 से 12.12.2018 तक	250	36 देश

13.14.4 नाइस के कौशल विकास प्रभाग ने तालिका 13.2 में प्रदत्त निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं का आयोजन किया:

तालिका 13.2 : नाइस द्वारा अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन				
क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम / पाठ्यक्रम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	देशों की संख्या
1	आईटीईसी के तहत सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	27.8.2018 से 14.9.2018 तक	30	16
2	आईटीईसी के तहत सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	26.11.2018 से 14.12.2018 तक	32	21
3	आईटीईसी के तहत आईएसए सदस्य देशों के मास्टर ट्रेनरों के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	10.09.2018 से 29.9.2018	29	9
4	आईटीईसी के तहत आईएसए सदस्य देशों के मास्टर ट्रेनरों के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	15.10.2018 से 3.11.2018 तक	24	11
5	आईटीईसी के तहत आईएसए सदस्य देशों के मास्टर ट्रेनरों के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	26.11.2018 से 15.12.2018 तक	21	10
6	आईएफएस के तहत अक्षय ऊर्जा क्षमता निर्माण के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	24.9.2018 से 12.10.2018 तक	16	08



## 14: राजभाषा हिन्दी का प्रोन्नयन





## राजभाषा हिन्दी का प्रोन्नयन

- 14.1 भारत सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन करने के उद्देश्य से मंत्रालय में एक हिन्दी अनुभाग की स्थापना की गई है जिसके निम्नलिखित कार्य हैं:
- अनुवाद कार्य।
  - भारत सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन।
- 14.2 वर्ष 2018-19 के दौरान राजभाषा अधिनियम 1963 और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु सम्मिलित प्रयास किए गए।
- 14.3 मंत्रालय में राजभाषा नीति को बढ़ावा देने तथा कर्मियों के लिए हिन्दी में और अधिक कार्य करने हेतु अनुकूल वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम/योजनाएं चलाई जा रही हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं :-
- मंत्रालय की वेबसाइट को द्विभाषी बनाया गया है और उसे समय-समय पर अद्यतन किया जा रहा है।
  - मंत्रालय के प्रवेश द्वार पर एक डिजिटल बोर्ड लगाया गया है जिसमें प्रतिदिन हिन्दी का एक नया शब्द प्रदर्शित किया जाता है। हिन्दी में प्रमुख प्रेरक वाक्य भी प्रदर्शित किए जाते हैं।
  - अधिकारियों/कर्मचारियों की सुविधा के लिए हिन्दी में काम करने के लिए मानक मसौदे और मानक फार्म तैयार किए गए हैं और मंत्रालय की वेबसाइट पर डाले गये हैं।
  - मंत्रालय में हिंदी पुस्तकों की खरीद की जाती है और राजभाषा विभाग द्वारा विनिर्दिष्ट लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयास किए जाते हैं।
  - राज्य नोडल एजेंसियों के पते हिंदी में तैयार किए गए हैं।
  - राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले सभी कागजात, जैसे- प्रैस विज्ञप्ति, निविदा सूचना, नियम, सामान्य आदेश, अधिसूचनाएं, मंत्रिमंडल टिप्पणी, संसद प्रश्न तथा संसद के समक्ष रखे जाने वाले अन्य सभी दस्तावेज द्विभाषिक रूप में जारी किए जाते हैं।
  - हिन्दी में प्राप्त पत्रों का उत्तर अनिवार्य रूप से हिन्दी में दिया गया और राजभाषा नियम 1976 के नियम (5) का पूर्णतः अनुपालन किया गया।
  - मंत्रालय में माह के प्रथम कार्यदिवस को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन यथासंभव कार्य हिन्दी में किया जाता है।
- 14.4 वर्ष 2018-19 के दौरान मंत्रालय में राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए अनेक प्रयास किए गए। राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में दिनांक 31 मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार 'क', 'ख' और 'ग' क्षेत्रों में स्थित कार्यालयों के साथ हिन्दी में पत्राचार की प्रतिशतता क्रमशः 78%, 67% और 64% थी।
- 14.5 मंत्रालय में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की समीक्षा के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गईं। मंत्रालय के विभिन्न अनुभागों/प्रभागों, इरेडा, सेकी, नीवे और नाइस से प्राप्त तिमाही प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा की गई। अनुभागों/प्रभागों और अन्य संगठनों को राजभाषा विभाग द्वारा निर्दिष्ट लक्ष्यों को प्राप्त करने की सलाह दी गई।
- 14.6 सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के उपयोग के प्रति जागरूकता और उसके प्रयोग में वृद्धि लाने के उद्देश्य से मंत्रालय में 14 से 28 सितम्बर, 2018 तक 'हिन्दी पखवाड़ा' मनाया गया। पखवाड़े के दौरान हिंदी का प्रगतिशील प्रयोग करने के संबंध में माननीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री का एक संदेश भी पढ़कर सुनाया गया। इस अवसर पर अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जिनमें मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साह से भाग लिया। हिन्दी और हिन्दीतर भाषी 39 अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र दिए गए। मंत्रालय के विभिन्न कार्यालयों और उपक्रमों में भी हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया।





- 14.7 वर्ष के दौरान राजभाषा विभाग की हिंदी टिप्पण और प्राकल्प योजना को जारी रखा गया और इस योजना के तहत 10 अधिकाधिक/कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया।
- 14.8 हिंदी सलाहकार समिति की बैठक
- 14.8.1 संजालय की हिन्दी सलाहकार समिति की बैठक माननीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की अध्यक्षता में दिनांक 21 अगस्त, 2018 को नई दिल्ली में आयोजित की गई।
- 14.9 **प्राकृतिक ऊर्जा पुरस्कार योजना**
- 14.9.1 गैर-पारंपरिक ऊर्जा के विषयों के संबंध में हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन या हिंदी में अनूदित पुस्तकों को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय में 1988 से प्राकृतिक ऊर्जा पुरस्कार योजना कार्यान्वित की जा रही है। इस योजना के तहत हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन के लिए प्रथम पुरस्कार के रूप में 1,00,000/- रु. द्वितीय पुरस्कार के रूप में 60,000/- रु. और तृतीय पुरस्कार के रूप में 40,000/- रु. के पुरस्कार का प्रावधान है। हिंदी में अनूदित पुस्तकों के लिए प्रथम, द्वितीय, और तृतीय पुरस्कारों की राशि क्रमशः 50,000/- रु., 30,000/- रु. और 20,000/- रु. है। पुरस्कार विजेताओं को सचिव, एमएनआरई द्वारा हस्ताक्षरित प्रशंसा पत्र भी प्रदान किया जाता है। वर्ष 2016 के लिए निम्नलिखित पुस्तकों को पुरस्कार हेतु चुना गया :-
- i. स्वच्छ ऊर्जा भविष्य की शक्ति (श्री राज बहादुर गुप्ता)
  - ii. सौर ऊर्जा द्वारा फसलों से आय में वृद्धि (डॉ. राजीव कुमार अग्रवाल)
  - iii. स्वच्छ पर्यावरण के लिए जैव ऊर्जा (डॉ. विनीता सिंघल)
- प्रथम पुरस्कार
- द्वितीय पुरस्कार
- तृतीय पुरस्कार



- 14.11.1 राजभाषा के प्रामाणी प्रयोग से संबंधित स्थिति का जायजा लेने के लिए हिंदी अनुभाग के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर विभिन्न कार्यालयों और स्वायत्त संस्थानों/सरकारी उपक्रमों आदि का निरीक्षण किया गया। वर्ष के दौरान डरेड, सेकी और नाइस का निरीक्षण किया गया।
- 14.11 अधीनस्थ कार्यालयों और अनुभागों का निरीक्षण
- 14.10.1 अधिकारियों/कर्मचारियों को अपना सरकारी कामकाज हिंदी में करने के लिए प्रोत्साहित करने की दृष्टि से विभिन्न श्रेणियों के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए हर विभागी में हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं में मंत्रालय के अधिकांश अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया।
- 14.10 हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन

माननीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री दिनांक 21 अगस्त, 2018 को नई दिल्ली में हिन्दी सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए





- 15.4 दूरी ग्लोबल आरई-इन्वेस्ट में 20,000 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी देखी गई जिसमें 77 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल थे जिनमें से 40 मंत्री स्तर के थे। 50 से अधिक पूर्ण और तकनीकी सत्र आयोजित किए गए जिनमें 150 वक्तव्यों (55 अंतर्राष्ट्रीय वक्तव्यों सहित) ने भाग लिया। 9 राष्ट्रीय सत्र थे (ऑस्ट्रेलिया, यूरोपियन संघ, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ साझेदारी में), 8 राज्य सत्र (गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब और उत्तर प्रदेश) और 500 से अधिक द्विपक्षीय व्यापार बैठकें हुईं।
- 15.3 दूर आरई-इन्वेस्ट का उद्देश्य अक्षय ऊर्जा को बढ़ाने और भारतीय ऊर्जा हितधारकों के साथ वैश्विक निवेश समुदाय को जोड़ने के लिए दुनिया भर में प्रयासों को तेज करना है। सम्मेलन के 3 दिनों में 45 से अधिक गहन सत्रों में "बैकस" पर्याप्त और "सीकंग रियूबल्स" और "सीकंग रियूबल्स इन इंडिया" जैसे विषयों पर, तीव्र वैश्विक प्रतिस्पर्धा के समक्ष भारत के अक्षय ऊर्जा बाजार का विस्तार करने पर गहन विचार विमर्श किया गया। इस गहन आरई-इन्वेस्ट कॉर्पोरेट कॉन्फ्लेव में वैश्विक उद्योग अगंतव्यों और भारत के अक्षय ऊर्जा नीति निर्माताओं के बीच चुनौतीपूर्ण चर्चा हुई।
- 15.2 2 अक्टूबर, 2018 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव, महासहिम श्री एंटोनियो गूटेरेस की उपस्थिति में एक संयुक्त समारोह में कार्यक्रमों का उद्घाटन किया। महत्त्वा गांधी जी की 150वीं जयंती के साथ आयोजित इस समारोह का एक आकर्षण आरईआइटी बावें के सीलर ऊर्जा श्री लोकलाइजेशन फॉर सस्टेनिबिलिटी (एसजीएलएस) कार्यक्रम के भाग के रूप में 100 स्कूलों के छात्रों द्वारा 1,00,000 सौर बैटरी का संयोजन करना और प्रदर्शन करना था।
- 15.1 नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के प्रमुख लाभों को समीकृत करने और ई-वाहनों जैसे नए-नए उपयोग मामलों के उद्भव को अग्रिम करने के लिए मंत्रालय ने 3 से 5 अक्टूबर, 2018 तक दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दूरी वैश्विक अक्षय ऊर्जा निवेशकों की बैठक तथा एक्सपो (आरई-इन्वेस्ट) के साथ अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की पहली सभा और हिन्द महासागर तटीय सहयोग संघ (आईओआरएस) देशों के ऊर्जा मंत्रियों की दूरी बैठक की मेजबानी की।

## 15: दूरी ग्लोबल आरई-इन्वेस्ट





15.5 इस आयोजन की प्रमुख उपलब्धियों में सोलर इन्वोल्वमेंट और भारतीय सौर ऊर्जा निगम (सेकी) के बीच एक समझौता ज्ञापन, मंडराण, त्रिह प्रबंधन एवं ई-गतिशीलता पर प्रबंध कौशल कार्यक्रम एटॉमिक एंड अल्ट्रासॉल्टिव एनर्जी (सीईए), न्यू सर्विसेज और सेकी के बीच समझौता ज्ञापन, और मांग एकत्रीकरण पायलट पर भारत-यूएस की संयुक्त घोषणा है।

